सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 270 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 11 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

दिल्ली नगर निगम चुनाव में पहली बार बसपा... 8 | मुलायम की विरासत पर डिंपल... 3 | प्रियंका, बघेल और पायलट ने... 7

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं कि उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

पीएम ने दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन को बेंगलुरु से हरी झंडी दिखाई

» महज 3 घंटे में बेंगलुरु से चेन्नई, कल से सेवा शुरू

» देश को पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश की पांचवीं और दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन को बेंगलुरु से हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन बेंगलुरु के रास्ते मैसूर और चेन्नई को जोड़ेगी। रेलवे के अधिकारियों का दावा है कि अगर पूरी क्षमता से चलाया जाए तो इस सुपरफास्ट ट्रेन की मदद से महज तीन घंटे में ही बेंगलुरु से चेन्नई की दूरी तय की जा सकती है। इस ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए शुल्क भी तय किया जा चुका है। यह ट्रेन सिर्फ दो स्टॉप पर रुकेगी। शनिवार से इसका नियमित संचालन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां क्रांतिवीर संगोली रेलवे स्टेशन पर दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। ट्रेन मैसूर और चेन्नई के बीच चलेगी और दोनों गंतव्यों के बीच यात्रा के समय को कम करने में मदद करेगी। इसका उद्घाटन केएसआर बेंगलुरु स्टेशन पर हुआ। इधर पीएम मोदी जब बेंगलुरु के लोगों को दो नई ट्रेनों का तोहफा देने जा रहे थे कि तभी उनकी नजर अपने समर्थकों पर पड़ी और पीएम ने इसके बाद अपनी कार के रनिंग बोर्ड पर खड़े होकर भीड़ का अभिवादन किया, जिनमें से कई लोग मोदी, मोदी के नारे लगाते और भाजपा के झंडे लहराते देखे गए।

सुपरफास्ट ट्रेन से जुड़े कुछ रोचक तथ्य

चेन्नई से मैसूर की यात्रा करने वाले यात्रियों से चेयर सीट के लिए 1,200 रुपये और ज्यादा कंफर्ट सीट के लिए 2,295 का शुल्क लिया जाएगा। मैसूर से चेन्नई की यात्रा करने वालों को क्रमशः 1,365 और 2,486 का भुगतान करना होगा। ट्रेन वैसे 6 घंटे 30 मिनट में 500 किमी की दूरी तय करेगी लेकिन रेलवे के अधिकारियों का दावा है कि अगर पूरी क्षमता से चलाई जाती है तो ट्रेन सिर्फ तीन घंटे में बेंगलुरु से चेन्नई का सफर तय कर सकती है। यह ट्रेन चेन्नई और मैसूर-काटपाडी और बेंगलुरु के बीच दो स्टॉप पर रुकेगी। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार से नियमित संचालन शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को 15 फरवरी 2019 को नई दिल्ली-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी मार्ग पर हरी झंडी दिखाई गई थी।

भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन भी आज से शुरू

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने रेलवे की भारत गौरव ट्रेन नीति के तहत कर्नाटक के मुजराई विभाग द्वारा संचालित भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। दक्षिण पश्चिम रेलवे के अनुसार, यह ट्रेन काशी यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों के सपने को पूरा करेगी। ट्रेन तीर्थयात्रियों के लिए रियायती दरों पर आठ दिनों का टूर पैकेज दे रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि कर्नाटक सरकार काशी विश्वनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों को 5,000 रुपये की नकद सहायता देती है। यह ट्रेन वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज सहित पवित्र स्थानों को कवर करती है।

आप ने घोषणापत्र जारी कर किये 10 वादे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के लिए शुक्रवार को आप का घोषणापत्र जारी कर दिया। सीएम केजरीवाल ने शुक्रवार को 4 दिसंबर को होने वाले एमसीडी चुनावों के लिए आप की 10 गारंटियों की घोषणा की, जिसमें दिल्ली में तीनों लैंडफिल साइटों को साफ करना, नगर निगम में भ्रष्टाचार खत्म करना और निगम कर्मियों को समय पर सैलरी का भुगतान जैसी गारंटियां शामिल है।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने अपने 15 साल के कार्यकाल में कुछ नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दिल्ली नगर निगम चुनाव में 20 से अधिक सीटें नहीं जीतेगी। दिल्ली के 250 वार्ड वाले निगम के लिए चार दिसंबर को चुनाव होगा और मतों की गिनती सात दिसंबर को होगी। दिल्लीवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि योगा रोकने वालों, लड़ाई करने वालों को वोट मत देना, बल्कि स्कूल बनाने वालों को वोट देना। दिल्ली को रोकने वालों नहीं बल्कि दिल्ली चलाने वालों को वोट देना।

'आप' की 10 गारंटी

1. दिल्ली को साफ और सुंदर बनाएंगे, कूड़े के पहाड़ खत्म करेंगे। कोई भी नया कूड़े का पहाड़ नहीं बनने देंगे।
2. वसूली व्यवस्था को बंद करेंगे। एमसीडी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाएंगे। अवैध निर्माणों को पैनाल्टी लेकर नियमित करेंगे।
3. पार्किंग की समस्या का समाधान करेंगे।
4. आवारा पशुओं की समस्या का समाधान करेंगे।
5. दिल्ली में सड़कें-गलियां बेहतर बनाएंगे।
6. नगर निगम के सभी अस्पतालों और डिस्पेंसरियों की हालत सुधारेंगे।
7. नगर निगम के सभी पार्कों को संवारेंगे और दिल्ली को पार्कों की राजधानी बनाएंगे।
8. अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाएगा और समय पर सैलरी देंगे।
9. व्यापारियों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया आसान करेंगे। इंस्पेक्टर राज भी खत्म करेंगे और व्यापारिक समस्याओं से मुक्ति दिलाएंगे।
10. रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या का समाधान करने के लिए वेंडिंग जोन बनाकर लाइसेंस देंगे।

पीएम के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का सीएम ने किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिगरा स्थित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में पीएम के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री रुद्राक्ष में पहुंच चुके थे। उन्होंने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री के पहुंचने पर दीप प्रज्वलित कर औपचारिक शुभारंभ किया और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश का प्रभारी सुनील ओझा, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल व दयाशंकर मिश्र दयालु भी मौजूद रहे। सात दिवसीय प्रदर्शनी में प्रख्यात कलाकार अकबर साहब द्वारा बनाए गये 55 चित्र लगाए गए हैं। अकबर साहब एक भारतीय कलाकार है जो अब दुबई में रहते है। अकबर ने इन चित्रों में गुजरात से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व नेता बनने तक के सफर को कैनवास पर खुबसूरती से उकेरा गया है।

कांग्रेस के बागियों के दम पर फिर से किला फतह करने की तैयारी में भाजपा

10 सीटें देकर भाजपा ने साधे समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। 160 नामों की इस सूची में कांग्रेस के कई बागी शामिल हैं। खास बात है कि साल 2017 विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के 19 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था और बाद में भाजपा का दामन थामा था। राज्य में 1 और 5 दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा जबकि, 8 दिसंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

भाजपा ने पाटीदार आंदोलन का मुख्य चेहरा रहे हार्दिक पटेल को भी वीरमगाम सीट से मैदान में उतारा है। हालांकि, वह अकेले नहीं है, जिन्हें कांग्रेस से आने के बाद भाजपा का टिकट मिला है। कांग्रेस के 19 में से कम से कम 10 विधायकों या उनके परिजनों को टिकट दिए गए हैं। कांग्रेस विधायकों की तरफ से खाली की गई दो और सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों का एलान होना बाकी है।

इनको मिला टिकट

हर्षद रिबाडिया, भगवान बराड, जेवी काकड़िया, जीतू चौधरी, अश्विन कोटवाल, अक्षय पटेल, प्रद्युम्न जडेजा, 10 बार के कांग्रेस विधायक मोहनसिंह राठवा के बेटे राजेंद्र सिंह को टिकट दिया गया है। कुंवरजी बावलिया और जवाहर चावड़ा। दल बदलने वाले 9 अन्य नेताओं को भी टिकट दिए गए हैं। इनमें हार्दिक, जयेश रडाडिया, कनु पटेल (करमसिंह पटेल के बेटे), मणिभाई वाघेला, मनीष चौहान और कुंवरजी हलपती का नाम शामिल है। खास बात है कि गुजरात में 2017 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ने वाले बलवंतसिंह राजपूत को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वह हार गए थे।

ओबीसी-पटेल वोट बैंक पाने के लिए 89 टिकट

भाषा के अनुसार, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सूची जारी करते हुए कहा कि भाजपा ने 38 मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि ज्यादातर सीटों पर मौजूदा विधायकों की सहमति से ही अन्य उम्मीदवार को उतारा गया है। पार्टी ने एक दिसंबर को पहले चरण की 89 सीटों के लिए 84 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं तथा पांच दिसंबर को दूसरे चरण के चुनाव वाली 93 सीटों में से 76 पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। भाजपा द्वारा घोषित 160 उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा 49 टिकट अन्य पिछड़ा वर्ग को दिए गए हैं। इसके बाद प्रभावशाली समुदाय पटेल को 40, अनुसूचित जनजाति को 24, अनुसूचित जाति को 13, क्षत्रिय को 19, ब्राह्मणों को 13 टिकट दिए गए हैं। जैन समुदाय को दो टिकट दिए गए हैं।

टिकट कटने से नाराज भाजपा विधायक ने थामा आप का दामन

» भाजपा की पहली सूची जारी होते ही बगावत शुरु

» 38 मौजूदा विधायकों के कटे है टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात में 160 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। पार्टी ने करीब तीन दर्जन विधायकों का टिकट काट दिया है। टिकट काटे जाने से नाराज मातर विधायक ने बगावत करते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। खेड़ा जिले के मातर सीट से दो बार के विधायक केसरी सिंह सोलंकी ने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया है। अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। इटालिया ने केसरी सिंह सोलंकी का स्वागत करते हुए तस्वीर साझा की और उनकी तारीफ की। इटालिया ने लिखा, केसरी सिंह सोलंकी जी, मातर के लोकप्रिय, मेहनती, निडर विधायक आज अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। मैं आम आदमी पार्टी में श्री केसरी सिंह जी का स्वागत करता हूं। हम गुजरात में एक ईमानदार सरकार बनाएंगे। सत्ताधारी भाजपा ने गुरुवार को 160 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। पार्टी ने मातर सीट से कल्पेश परमार को उम्मीदवार बनाया है।

एनजीटी ने माना नहीं हो रहा है अपशिष्ट टायरों का उचित प्रबंधन, टीपीयू बंद हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पर्यावरण मानदंडो का उल्लंघन करने पर टायर पायरोलिसिस इकाइयों (टीपीयू) को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। हरित अधिकरण ने सोशल एक्शन फॉर फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (सेफ) की ओर से अपशिष्ट टायरों के अनुचित प्रबंधन के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान आदेश जारी किया। एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की पीठ ने कहा, नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से इकाइयों के खिलाफ की गई कार्रवाई में बहुत ज्यादा देरी हुई, जिससे यह अंतराल (गैप) बढ़ गया। ऐसे में अब इन टीपीयू को तत्काल बंद किया जाए। पीठ में न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर कुमार अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं। एनजीटी ने कहा कि टीपीयू को शून्य-तरल और शून्य-उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने की जरूरत है। वहीं इस प्रक्रिया के दौरान पैदा हो रहे कार्बन को लैंडफिल में भेजने की जगह सीमेंट उद्योगों में उपयोग करने की आवश्यकता है। आदेश देते हुए एनजीटी ने कहा कि सीपीसीबी और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एक महीने के अंदर टीपीयू के लिए संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप देगा।

देश में कानून का राज नहीं, केन्द्रीय एजेंसियां गुलाम : सामना

» महाराष्ट्र भाजपा के 7 मंत्री, 15 विधायक व सांसदों के ऊपर आपराधिक केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। शिवसेना उद्धव बालासाहब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत की जेल से रिहाई के बाद एक बार फिर से महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। संजय राउत ने एक दिन पहले ही कहा था कि वह किसी की आलोचना नहीं करेंगे और वह नहीं मानते कि उनके खिलाफ साजिश की गई है। इसके अलावा उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह से मुलाकात करने की भी बात कही थी। यहां तक कि देवेंद्र फडणवीस के फैसलों की भी सराहना की थी।

इससे कयास लग रहे थे कि क्या संजय राउत और शिवसेना के तेवर बदल गए हैं। लेकिन अब एक बार फिर से शिवसेना का रुख बदला दिख रहा है। पार्टी के मुखपत्र सामना में भाजपा पर तीखा हमला बोला गया है। बता दें कि सामना के संपादक खुद संजय राउत ही हैं। सामना के पहले पन्ने में केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की तीखी आलोचना की गई है। शिवसेना के अखबार ने लिखा है कि देश में कानून का राज नहीं है। न्यायपालिका दबाव में है और केंद्रीय एजेंसियां गुलाम हो गई हैं। संजय राउत मामले में यह बात सामने आई है। महाराष्ट्र भाजपा के कम से कम 7 मंत्री, 15 विधायक और सांसद और पार्टी को वित्त मुहैया कराने वाले बिल्डरों के नाम कई अपराध हैं। इनके खिलाफ जांच हो तो ये जेल जा सकते हैं।

शिवसेना छोड़ते ही एकनाथ शिंदे को मिल गई क्लीन चिट

महाराष्ट्र में शिवसेना को बुलाने और सरकार गिराने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया गया था। जिन लोगों को ईडी पहले गिरफ्तार करने जा रहा था, उन्हें शिवसेना छोड़ते ही क्लीन चिट दे दी गई। जो शिंदे-फडणवीस के आगे नहीं झुके, वे ईडी-सीबीआई के अपराधी बन गए। देश में कानून का राज नहीं है। न्यायिक प्रणाली दबाव में है और केंद्रीय व्यवस्था गुलाम हो गई है। संजय राउत की तरह एनसीपी नेता और राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख भी राजनीतिक साजिश के तहत जेल जा चुके हैं। महाराष्ट्र में ईडी के कई मामले इस बात के गवाह हैं।

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बताया साजिश का शिकार

अखबार ने लिखा कि राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और उनके सहयोगी एक साल से अधिक समय से जेल में हैं। यह सब राजनीतिक साजिश के तहत किया जा रहा है। क्या राज्य के गृह मंत्री आपराधिक प्रकृति के पुलिस अधिकारियों को मुंबई-ठाणे में बार मालिकों से 100 करोड़ रुपये वसूलने का निर्देश दे सकते हैं? लेकिन ईडी और सीबीआई ने खुद अधिकारी की गवाही के आधार पर देशमुख के खिलाफ मामला तय किया, जो मुकेश अंबानी के घर के सामने विस्फोटक रखने की साजिश में आरोपी है।

गुजरात चुनाव में सप्लाई हो रही चंडीगढ़ की शराब

» 4 दिन में पकड़ी गई 500 पेटी शराब, ठेका और गोदाम सील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। गुजरात चुनाव के लिए चंडीगढ़ की शराब सप्लाई की जा रही है। इस बात का खुलासा पुलिस द्वारा पकड़ी गई अवैध शराब से हुआ है। बीते चार दिन में चंडीगढ़-पंजाब बैरियर पर चंडीगढ़ की करीब 500 पेटी शराब पकड़ी जा चुकी है। ताजा मामला दो दिन पहले का है। जीरकपुर में मैक्डोनाल्ड चौक पर पुलिस की नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक चालक को 300 पेटी शराब के साथ पकड़ा है, ट्रक में जो शराब मिली है वह चंडीगढ़ मार्का है।

पहले भी पंजाब पुलिस ने इसी रूट पर 200 पेटी शराब पकड़ी थी। उसकी जांच पूरी होने के बाद चंडीगढ़ एक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमेंट ने कार्रवाई करते हुए इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 स्थित शराब ठेका और एक गोदाम सील किया है। बताया जा रहा है यह 200 पेटी शराब यहीं से गुजरात चुनाव के लिए जा रही थी। वहीं जो 300 पेटी शराब पकड़ी गई है वह भी गुजरात चुनाव के लिए भेजी जा रही थी। असिस्टेंट एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर रणधीर सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई एईटीसी के आदेश पर की गई है। शराब ठेके मालिक को नोटिस देकर एक हफ्ते में जवाब देने के लिए कहा है। कलक्टर एक्साइज हरसुहिंदरपाल सिंह बराड़ इस मामले में सुनवाई करेंगे।

मुलायम की विरासत पर डिंपल को उतारने के क्या है सियासी मायने!

- मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव पर सपा के सामने अपना गढ़ बचाने की चुनौती
- भाजपा के पास खोने को कुछ नहीं जीते तो बदलेंगे राजनीतिक मायने

चेतन गुप्ता

लखनऊ। डिंपल यादव फिर चुनावी मैदान में उतर रहीं हैं। वह मुलायम की सीट मैनपुरी से लोकसभा उपचुनाव लड़ेगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनके नाम की घोषणा कर दी है। मुलायम के निधन से यह सीट खाली हुई है। इस सीट पर 5 दिसंबर को वोटिंग है। डिंपल सियासी दंगल में 3 साल बाद वापसी कर रहीं हैं। 2019 में उन्होंने कन्नौज से लोकसभा चुनाव लड़ा था। इसमें वह भाजपा के सुब्रत पाठक से हार गईं थीं। तब से वह सीधे तौर पर राजनीति में नहीं उतरीं। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कौशांबी समेत कुछ सीटों पर प्रचार किया था।

44 साल की डिंपल 5वीं बार चुनाव लड़ेगी। मैनपुरी सपा की पारिवारिक सीट है। 1996 में यहां मुलायम सिंह ने पहली बार चुनाव लड़ा था। तब से इस सीट पर सपा का कब्जा है। तेज प्रताप यादव और धर्मेंद्र यादव ने भी अपनी सियासी पारी की शुरुआत इसी सीट पर जीत से की थी। मुलायम के निधन के बाद इस सीट पर तेज प्रताप यादव और धर्मेंद्र यादव का नाम भी चल रहा था। हालांकि, अखिलेश ने डिंपल के नाम पर आखिरी मुहर लगाई है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि मुलायम की सीट यानी उनकी विरासत पर डिंपल के उतारने के गहरे सियासी मायने भी हैं। डिंपल अब फिर सक्रिय राजनीति में आएंगी। 15 जनवरी 1978 को महाराष्ट्र के पुणे में पैदा हुईं डिंपल कन्नौज से दो बार सांसद रह चुकी हैं। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है। उनके पिता रिटायर कर्नल हैं। डिंपल 3 बहनों में दूसरे नंबर की हैं। डिंपल की शुरुआती पढ़ाई सैनिक स्कूल में हुई। उनके माता-पिता अभी उत्तराखंड के काशीपुर में रहते हैं। डिंपल और अखिलेश यादव ने प्रेम विवाह किया था।

2009 में फिरोजाबाद उपचुनाव की हार से और परिपक्व हुई डिंपल

विधानसभा चुनाव 2022 में डिंपल ने सपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था। 2009 लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की दो सीटों फिरोजाबाद और कन्नौज से चुनाव लड़ा। बाद में अखिलेश ने फिरोजबाद सीट छोड़ दी और उपचुनाव में डिंपल को वहां से उम्मीदवार बनाया। लेकिन, डिंपल कांग्रेसी नेता राज बब्बर से चुनाव हार गईं। अखिलेश यादव के कन्नौज लोकसभा सीट छोड़ने के बाद 2012 में उपचुनाव हुआ। सपा ने इस बार भी डिंपल यादव पर भरोसा जताया। वहीं, इस चुनाव में बसपा, कांग्रेस, भाजपा ने उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। जबकि, दो लोगों के नामांकन वापस लेने के बाद डिंपल निर्विरोध चुनाव जीतने में कामयाब रहीं। वहीं 2014 लोकसभा चुनाव में भी वह कन्नौज सीट बचा ले गईं। आखिर डिंपल ही मैनपुरी से चुनाव का चेहरा कैसे बनीं। क्योंकि विकल्प तेज प्रताप यादव और धर्मेंद्र यादव का भी था।

मुलायम की छोटी बहु अपर्णा पर टिकी हैं सबकी निगाहें

डिंपल यादव के चुनावी मैदान में उतरने के बाद समीकरण बदले हैं। भाजपा ने अभी अपने उम्मीदवार का चेहरा स्पष्ट नहीं किया है। यहां से शिवपाल यादव के नाम पर की चर्चा चल रही थी। यादव वोटर उनका समर्थन कर सकते हैं, अगर पिछली जाति के कद्दावर नेता का सपोर्ट उन्हें मिले, तो मैनपुरी सीट निकाल सकते हैं। उनके अलावा मुलायम की बहू अपर्णा यादव पर भी सबकी नजर है। अपर्णा यादव को वोटर्स की सहानभूति मिल सकती है। दरअसल, मैनपुरी लोकसभा में सबसे ज्यादा यादव मतदाता हैं। इनकी संख्या 4 लाख से भी ज्यादा की है। इसके बाद शाक्य मतदाता लगभग 2.25 लाख के आसपास हैं। ऐसे में एक चर्चा ये भी है कि भाजपा यहां कोई शाक्य नेता बतौर उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतार सकती है।

तेज प्रताप और धर्मेंद्र यादव भी दर्ज करा चुके हैं जीत

जानकारों का कहना है कि समाजवादी पार्टी को परिवार पर भरोसा है। यह रणनीति वह मैनपुरी पर लागू की गई है। सपा की यह रणनीति पहले भी कामयाब हो चुकी है। मैनपुरी लोकसभा सीट पर 2014 में मुलायम ने जब मैनपुरी सीट छोड़कर आजमगढ़ की सीट संभाली थी। तब भी उपचुनाव में परिवार के तेज प्रताप यादव को मैनपुरी से उतारा था। तेज प्रताप ने तब 3 लाख से अधिक वोटों से चुनाव जीता था। इससे पहले 2004 उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव भी मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर जीत चुके हैं। तब भी मुलायम ने यह सीट खाली की थी। यानी इस बार भी सपा इसी पर भरोसा कर रही है। 2019 में जब मुलायम आजमगढ़ लोकसभा सीट छोड़ मैनपुरी गए तो आजमगढ़ से अखिलेश यादव लोकसभा पहुंचे। हालांकि, 2022 में वह यह सीट छोड़ करहल से विधायक बने। धर्मेंद्र यादव को आजमगढ़ से उपचुनाव लड़ाया, लेकिन वह हार गए।

विधानसभा 2022 में हिट प्रचारक थीं डिंपल

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि डिंपल को मैनपुरी से प्रत्याशी बनाए जाने का कारण यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में उनका चुनाव प्रचार रहा। चुनाव प्रचार में डिंपल यादव हिट रहीं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें आखिरी चरणों में मुश्किल सीटों पर प्रचार के लिए उतारकर सीटें अपनी झोली में डलवा ली। कौशांबी और जौनपुर में हुई जनसभाओं में सिर्फ एक सीट ही भाजपा के खाते में जुड़ सकी। वो भी बहुत कम मार्जिन के साथ।

पहले भी कई कांटे की टक्कर वाली सीटों पर जीत दिला चुकीं है डिंपल

विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में पहली जनसभा डिंपल ने सिराथू में पल्लवी पटेल के लिए की। पल्लवी के सामने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य खुद चुनाव मैदान में थे। डिंपल की जनसभा होने के बाद यहां पल्लवी टक्कर में आ गई। वो इस सीट से जीत गईं। कौशांबी की चायल विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी पूजा पाल के समर्थन में सभा की। पूजा पाल पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं। यहां पूजा का मुकाबला अपना दल (सोनेलाल) के नागेंद्र प्रताप सिंह पटेल से था। 88818 वोट लेकर पूजा पाल ने जीत दर्ज की। यहां भाजपा की तरफ से लाल बहादुर चुनावी मैदान में थे। भाजपा संगठन उनके लिए प्रचार कर रहा था। डिंपल ने यहां इंद्रजीत सरोज के लिए सिर्फ एक जनसभा की थी। यहां भी सपा प्रत्याशी ही जीता। जौनपुर की मड़ियाहूं सीट पर अपना दल (सोनेलाल) के प्रत्याशी डॉ. आरके पटेल को सपा की प्रत्याशी सुषमा पटेल से चुनौती थी। यहां डिंपल ने जनसभा की। यहां कांटे की टक्कर ऐसी कि पूरी बाजी सिर्फ 1206 वोटों से ही सुषमा ने जीत दर्ज की। मछलीशहर से डॉ. रागिनी चुनाव लड़ रही थीं। डिंपल ने प्रचार किया। नतीजा ये रहा कि रागनी को 91659 वोट मिले। भाजपा के प्रत्याशी महिलाल 83175 वोट पाकर हार गए थे।

डिंपल को इस सीट पर लाने की असल वजह

- अखिलेश यादव खुद उत्तर प्रदेश पर ही फोकस रखना चाहते हैं। वह करहल को छोड़ लोकसभा नहीं जाना चाहते।
- अखिलेश ने डिंपल का चयन इसलिए किया कि यह सीट मुलायम के परिवार के पास ही रहे। क्योंकि बीते सालों से शिवपाल से राजनीतिक विवाद चल रहा है। ऐसे में वे डिंपल से ज्यादा किसी और पर भरोसा नहीं कर सकते।
- डिंपल सीधे मुलायम की बहू हैं, ऐसे में जितनी संवेदना और सहानुभूति का लाभ डिंपल को मिलेगा शायद किसी और प्रत्याशी को न मिले।
- मुलायम पिछली बार यह सीट कम अंतर से जीते थे। ऐसे में डिंपल के आने से महिलाओं का समर्थन बढ़ेगा। अखिलेश का करहल विधानसभा से विधायक होने का फायदा मिलेगा।
- इस फैसले से परिवार में इस सीट को लेकर तेज प्रताप, धर्मेंद्र यादव और शिवपाल के बीच चल रही रेस को भी विराम दे दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत जोड़ो यात्रा में गुजरात का न होना बड़ी चूक

इधर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत टक्कर देने वाली कांग्रेस के पूरे पत्ते अभी खुले नहीं है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में गुजरात और हिमाचल प्रदेश शामिल नहीं है जहां विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और दोनों प्रदेशों में बीजेपी सत्तारूढ़ दल है। पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि 150 दिनों तक चलने वाले भारत जोड़ो यात्रा में गुजरात और हिमाचल शामिल क्यों नहीं है?

गुजरात में दो चरणों में 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। इसके बाद वोटों की गिनती और नतीजों की घोषणा 8 दिसंबर को होगी। गुजरात की 182 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सत्ताधारी पार्टी बीजेपी और विपक्षी दल कांग्रेस, आप समेत सभी राजनैतिक दल धुआंधार चुनाव प्रचार में जुट गये है।

गुजरात चुनाव में मुद्दे तय करेंगे कि इस बार किसकी राज्य में सरकार बनेगी। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है। अब दलों का फोकस मजबूत उम्मीदवारों के चयन पर है, सब जीत-हार का गणित लगाने में जुटे हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, हार्दिक पटेल और रवींद्र जडेजा की पत्नी समेत 160 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में मोरबी पुल हादसे का असर भी दिखा है। इससे साफ है कि बीजेपी इस चुनाव में कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहती है। इधर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत टक्कर देने वाली कांग्रेस के पत्ते अभी खुले नहीं है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में गुजरात और हिमाचल प्रदेश शामिल नहीं है जहां विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और दोनों प्रदेशों में बीजेपी सत्तारूढ़ दल है। हालांकि यह बात राजनीतिक विश्लेषक अच्छी तरह से जानते हैं कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कर रहे हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी की अनुपस्थिति कांग्रेस को भारी पड़ सकती है। इसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलना तय माना जा रहा है। चलिए बात करते हैं अब उन मुद्दों की जो इस विधानसभा चुनाव में हावी हैं और उम्मीद है कि राज्य की जनता कहीं ना कहीं इन मुद्दों पर वोट करेगी। पीएम मोदी गुजरात चुनाव का सबसे बड़ा फैक्टर हैं। वे 2001 से 2014 तक गुजरात के सीएम रहे और 2014 के बाद से पीएम हैं। हालांकि सत्ता-विरोधी लहर बीजेपी के लिए संकट का सबब बन सकती है। दरअसल भाजपा 1998 से लगातार गुजरात की सत्ता में है। रणनीतिकार मानते है कि ये बड़ा फैक्टर है। मोरबी पुल हादसा गुजरात में भाजपा के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। 30 अक्टूबर को पुल गिरने से 135 लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह प्रश्नपत्र लीक मामले, भर्ती परीक्षाएं स्थगित होने और अग्निवीर योजना से युवाओं में असंतोष है। राज्य के अनेक हिस्सों में किसान आंदोलन कर रहे हैं। पिछले दो साल में अत्यधिक बारिश की वजह से किसानों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन इस लिहाज से उन्हें मुआवजा नहीं मिल सका। बिल्कीस बानो केस में दोषियों को सजा पूरी होने से पहले रिहा किए जाने पर भी काफी होहल्ला मच चुका है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन का मॉडल भारत के अनुकूल नहीं

जगदीश रत्नानी

मध्य चीन में स्थित फॉक्सकॉन की फैक्ट्री से भयावह कहानियां सामने आ रही हैं यह कंपनी एप्पल आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। मध्य चीन में फिर से कोरोना फैल रहा है रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि काम करने वाले लोग फैक्ट्री से भाग रहे हैं। कोविड संक्रमण रोकने के नाम पर कड़े नियम लागू किये गये हैं और लोगों को क्वारंटाइन किया जा रहा है, लेकिन कामगारों की शिकायत है कि अकेले रखे गये लोगों को खाने-पीने की वस्तुओं की आपूर्ति कम हो रही है तथा चिकित्सा व्यवस्था भी ठीक नहीं है।

इस संयंत्र परिसर में लगभग दो लाख लोग रहते हैं। उन्हें पहले से ही कई परेशानियां थीं, जो अब और बढ़ गयी हैं। भाग रहे कामगारों को वापस बुलाने की कोशिश हो रही है, पर वे बोनस प्रस्तावों को आम तौर पर ठुकरा दे रहे हैं। कथित रूप से परिसर में फिल्माये गये एक वीडियो में दिखाया गया है कि एक कमरे में अलग रहे गये कामगारों की मौत हो गयी है, जबकि फॉक्सकॉन का कहना है कि वहां कोई मौत नहीं हुई है। अनेक मुश्किलों से जूझते कामगारों की ऐसी कई खबरें आयी हैं। वे खबरें भारत के लिए अहम हैं क्योंकि फॉक्सकॉन और कुछ अन्य कंपनियां 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत दिये गये प्रस्तावों से आकर्षित होकर भारत में संयंत्र लगा रही हैं। वेदांता और फॉक्सकॉन का एक संयुक्त उपक्रम गुजरात के अहमदाबाद में स्थापित हो रहा है, जहां एक सेमीकंडक्टर फैब इकाई, एक डिस्प्ले फैब इकाई तथा एक सेमीकंडक्टर एसेंबली व टेस्टिंग इकाई लगायी जायेगी। वेदांता ने कहा है कि इस परियोजना में कुल डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा तथा इससे करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। यह सही है कि भारत को निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए त्वरित कदम उठाने की जरूरत है। लेकिन यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या भारत को भी चीन की तरह वैसी बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां स्थापित करनी चाहिए, जहां मामूली वेतन की निम्न स्तर की नौकरियां हों। ऐसी फैक्ट्रियों में ज्यादातर काम असेंबली का होता है। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के मामले में चीन का खराब रिकॉर्ड रहा है। मजदूर संगठनों का अस्तित्व न के बराबर है और स्थानीय प्रशासन कारोबारी मांगों पर ही अधिक ध्यान देता है, ताकि अधिक निवेश आ सके।

इसी कारण चीन निम्न स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। वहां नौकरी खोजने वालों की बहुत बड़ी संख्या है, इसका मतलब है कम वेतन,

कामगारों की कमजोर सुरक्षा तथा मजदूरों से जबरदस्ती काम लेना। यही कारण है कि कामगारों को वहीं रहना पड़ता है, जहां कंपनी चाहती है। आम तौर पर कमरे छोटे-छोटे होते हैं तथा मामूली सुविधाएं मिलती हैं। उन्हें लगातार काम करना पड़ता है ऐसे में कई कामगार आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। भारत को कंपनियों को बुलाने से पहले रोजगार सृजन के इस मॉडल का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए। यह मॉडल भारत जैसे देश में एकदम अनजानी व्यवस्था को स्थापित करेगा, जहां छोटे और मझोले उद्यम अर्थव्यवस्था में भारी योगदान करते हैं। यह बात भी सही है कि छोटे और मझोले उद्यम हमेशा अच्छे रोजगार प्रदाता या गुणवत्तापूर्ण उत्पादक नहीं होते, पर आर्थिक वृद्धि का विस्तारित मॉडल उस मॉडल से बिल्कुल अलग है, जिसमें बड़े उद्योगों, बड़ी फैक्ट्रियों और ऊपर से आती समझ से विकास निर्देशित होता है, जो तुरंत रोजगार देने का वादा तो करता है, पर आम तौर पर दीर्घकालिक परेशानियां ही पैदा करता है। अमेरिका में विस्कॉन्सिन में फॉक्सकॉन का उपक्रम नहीं लग सका और मिल्वाकी में एक सरकारी रिपोर्ट में कंपनी के कामगार सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठाये गये हैं। इस संदर्भ में बड़े उद्योगों को दी जाने वाली छूट पर रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की कुछ आलोचनाएं बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने सही ही रेखांकित किया है कि उत्पादन से संबंधित इंसेंटिव योजनाओं का इस पहलू से ठीक से विश्लेषण नहीं किया गया है कि ये रोजगार सृजन का एक रास्ता हैं। भले ही चीन में खास तरह की बहुत मैन्युफैक्चरिंग हो रही हो, लेकिन वह देश उच्च स्तर का नवोन्मेषी देश नहीं बन सका है। उसकी छवि एक सीमित सस्ते उत्पादक देश की ही है। कारोबार से होने वाले लाभ का बड़ा हिस्सा चिप डिजाइनर और ब्रांड के पास चला जाता है तथा मूल्य शृंखला का मामूली निचला हिस्सा चीन के हिस्से में आता है।

अनेक अध्ययन इंगित करते हैं कि आइफोन जैसे महंगे उत्पाद की कीमत का लगभग चार-पांच प्रतिशत ही चीन को मिल पाता है। अब चीन में भी निर्माण खर्च में वृद्धि हो रही है और यह भारत के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा कि वह चीन का सतही संस्करण बन जाए। एक अध्ययन में बताया गया है कि चीन के हिस्से में कम वेतन की नौकरियां आती हैं, जबकि मुनाफा अन्य देशों को चला जाता है। वह मैन्युफैक्चरिंग का वैसा मुकाम नहीं है, जहां भारत पहुंचना पसंद करेगा।

बिटक्वाइन से अलग है डिजिटल रुपी

बालेंदु शर्मा दाधीच

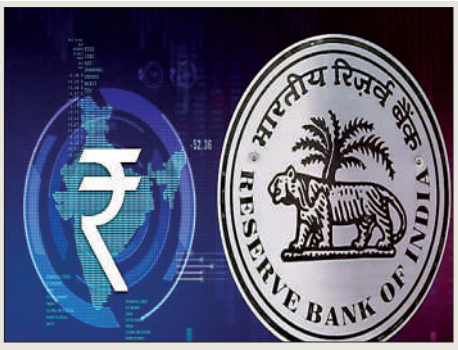

भारत की डिजिटल करेंसी सफलता के साथ लॉन्च कर दी गयी है। फिलहाल इसकी पायलट परियोजना शुरू हुई है, जिसके तहत बैंकों के बीच आपस में धन के लेन-देन के लिए इसका इस्तेमाल किया जायेगा। बैंकों के बीच यह लेन-देन लाखों-करोड़ों रुपयों की मात्रा में होता है और इससे जुड़ी प्रक्रियाओं पर करोड़ों का खर्च आता है। मौजूदा पायलट परियोजना के तहत यह सब सही ढंग से संपन्न हुआ है। पायलट परियोजना में भारतीय रिजर्व बैंक के साथ भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक ने हिस्सा लिया है। यह परियोजना पूरी होने के बाद डिजिटल करेंसी को आम लोगों के लिए भी उपलब्ध कराये जाने की योजना है। तब यह आपको और हमको डिजिटल भुगतान करने का एक और विकल्प देगी, हालांकि मौजूदा भुगतान प्रणालियां भी जारी रहेंगी।

कागज के रुपयों का लेनदेन भी जारी रहेगा, ई-बैंकिंग और नेटबैंकिंग भी जारी रहेंगी, मोबाइल उपकरणों के जरिये होने वाले यूपीआइ भुगतान भी चलते रहेंगे। लेकिन डिजिटल करेंसी के साथ एक ज्यादा दमदार विकल्प हमारी वित्तीय जिंदगी में आ जायेगा। डिजिटल करेंसी रुपया ही है, लेकिन कागज या पॉलिमर के रूप में नहीं बल्कि एक अलग रूप में, यानी इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल स्वरूप में। हर एक डिजिटल रुपया रिजर्व बैंक की तरफ से जारी किया जायेगा, उसके दस्तावेजों में दर्ज होगा और उसकी सौ फीसदी कीमत अदा करने की गारंटी भी भारत के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक की तरफ से दी जायेगी, वैसे ही जैसे कि नोटों पर बैंक के गवर्नर की तरफ से लिखा होता है कि मैं आपको इतने रुपये अदा करने का वचन देता हूं। यह एक कानूनी करेंसी है, जिसका कागज के नोटों के साथ समान कीमत पर लेन-देन हो सकता है। जैसे हर एक रुपये के नोट का अलग नंबर है, वैसे ही हर एक डिजिटल करेंसी का भी रिजर्व बैंक के पास अपना अलग रिकॉर्ड है। अगर आपके पास दस हजार रुपये की डिजिटल करेंसी है, तो इसका मतलब यह हुआ कि आपके पास दस हजार रुपये हैं, लेकिन एक अलग रूप में। इन रुपयों को डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकेगा। यह सरकार की तरफ से जारी किया गया वैसा ही डिजिटल एप होगा, जैसे कि डिजिलॉकर है, जिसे आप अपने मोबाइल फोन में इंस्टॉल कर सकते हैं और फिर तमाम तरह के सरकारी दस्तावेज (डिग्री, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड आदि) डिजिटल फॉरमैट में अपने साथ सुरक्षित रख सकते हैं। फर्क यह है कि ये दस्तावेज आपके पास मूल रूप में कागज या प्लास्टिक स्वरूप में भी मौजूद रहते हैं और डिजिटल स्वरूप में भी। लेकिन अब हमारी मुद्रा या तो कागज के रूप में इस्तेमाल की जा सकेगी या फिर डिजिटल रूप में यानी ऐसा नहीं होगा कि आपके घर पर भी दस हजार रुपये के नोट रखे हुए हैं और मोबाइल फोन पर भी दस हजार की डिजिटल करेंसी रखी है। जैसा कि मैंने कहा, यह छपी हुई कागज की मुद्राओं का डिजिटल स्वरूप है, जिन्हें आपस में अदला-बदला जा सकता है। बैंकों के पास ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा, जिसके जरिए आप अपने रुपयों को बैंक अकाउंट और अपने डिजिटल वॉलेट (बटुआ) के बीच आजादी से ट्रांसफर कर सकेंगे। इसी तरह से दो लोग आपस में भी लेन-देन कर सकेंगे और कारोबारी ठिकानों के साथ भी। लेकिन तुरंत नहीं, फिलहाल थोड़ा सा इंतजार करना होगा। अब आप समझ गये होंगे कि हमारी डिजिटल करेंसी बिटक्वाइन या इथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी से अलग है। आपको याद होगा कि रिजर्व बैंक क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल का विरोध करता रहा है और हमारी डिजिटल करेंसी आने पर लोगों के मन में यह सवाल भी आया है कि तब उसने खुद ही ऐसा क्यों कर दिया। इसका जवाब यही है कि दोनों मुद्राएं एकदम अलग हैं। ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी को जारी करने वाले निजी लोग हैं या फिर निजी संस्थान, न कि बैंक या सरकारें, जो उनकी कीमत की गारंटी ले सकें। यहां पर रिजर्व बैंक की गारंटी है। बिटक्वाइन जैसी कुछ क्रिप्टोकरेंसी की माइनिंग की जा सकती है यानी आप खुद भी अपने कुछ बिटक्वाइन तैयार कर सकते हैं, अगर आपके पास उसके लिए जरूरी तकनीकी कौशल और सॉफ्टवेयर हैं। यहां हर एक डिजिटल रुपया रिजर्व बैंक की तरफ से जारी किया जायेगा।

क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार भले ही होता है, लेकिन ज्यादातर देशों में आज भी वह पूरी तरह से कानूनी नहीं है। हमारी करेंसी का शेयर बाजार की तरह से कारोबार नहीं होने वाला है। बिटक्वाइन आदि की कीमत घटती-बढ़ती रहती है, लेकिन डिजिटल रुपये के साथ ऐसा नहीं होगा। आपके डिजिटल वॉलेट में आज दस हजार डिजिटल मुद्राएं हैं, तो एक साल बाद भी उनकी कीमत उतनी ही रहेगी। क्रिप्टोकरेंसी को चुरा लिये जाने का खतरा है, जो यहां नहीं है। डिजिटल करेंसी को आप कहीं से खरीद नहीं रहे हैं, बल्कि अपने ही धन का स्वरूप बदलकर उसे डिजिटल रूप में सहेज रहे हैं। अब सवाल यह है कि रिजर्व बैंक ने ऐसा क्यों किया। इसलिए कि आज वित्तीय क्षेत्र में भारत की डिजिटल तकनीकें इतनी परिपक्व हो चुकी हैं कि हम अपना अगला और बड़ा कदम उठाने की स्थिति में आ गये हैं। यूपीआइ की मिसाल आपके सामने है, जिसकी बदौलत आज हर एक शख्स अपने मोबाइल फोन से लेन-देन कर रहा है। लेकिन यह लेन-देन सिर्फ धन के हस्तांतरण के रिकॉर्ड के रूप में हो रहा है और वास्तविक (भौतिक) रूप में आपका रुपया एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा नहीं जाता, सिर्फ बैंकों के दस्तावेजों में प्रविष्टि हो जाती है कि यह धन वहां पर इस्तेमाल कर लिया गया है। यही बात नेटबैंकिंग पर लागू होती है। लेकिन डिजिटल करेंसी मात्र प्रविष्टि नहीं होगी, बल्कि उनका अपना (इलेक्ट्रॉनिक) अस्तित्व होगा।

स्ट्राबेरी की मदद से करें स्किन की केयर

स्ट्राबेरी का स्वाद अधिकतर लोगों को अच्छा लगता है। अक्सर लोग स्ट्राबेरी से मिलने वाले हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बाते करते हैं, लेकिन उसके स्किन बेनिफिट्स भी कम नहीं हैं। स्ट्रॉबेरी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। साथ ही, इसमें विटामिन सी भी होते हैं। यह आपकी स्किन को अधिक यंगर बनाता है और एक्ने को दूर करता है। इसके अलावा, यह आपकी स्किन को टोन करने, स्किन टेक्सचर में बेहतर बनाने और पिगमेंटेशन आदि में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको स्ट्राबेरी को स्किन पर अप्लाई करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

शहद और स्ट्रॉबेरी से बनाएं फेस मास्क

अगर आप अपनी स्किन को अधिक नरिशिंग बनाना चाहते हैं तो इस पैक को बनाएं। इसके लिए आप कुछ स्ट्रॉबेरी लें और उसे कांटे से तब तक मैश करें जब तक कि इसका स्मूद पेस्ट न बदल जाए। अब इसमें एक ब?ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को लगाएं। करीबन 15 मिनट के बाद पानी की मदद से फेस क्लीन करें।

स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट से बनाएं

अगर आप अपनी स्किन को अधिक स्मूद बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बनाएं। इसके लिए आप पहले स्ट्रॉबेरी को अच्छी तरह मैश कर लें। अब एक चम्मच कोको पाउडर और शहद डालकर उसे अच्छी तरह मैश करें। अपने चेहरे को क्लीन करके करीबन 15 मिनट के लिए ऐसे ही छो? दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरा वॉश कर लें।

स्ट्रॉबेरी और मलाई से बनाएं फेस पैक

यह एक बेहद ही नरिशिंग फेस पैक है, जो आपकी स्किन को अधिक नमी प्रदान करता है। खासतौर से, विंटर में यह पैक काफी लाभदायक है। इसके लिए आप स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसकी प्यूरी बना लें। अब इसमें थो?ा शहद व मलाई डालकर मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10-12 मिनट बाद आप ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

स्ट्रॉबेरी और चावल के आटे से बनाएं स्क्रब

अगर आप अपनी डेड स्किन सेल्स को रिमूव करके इवन टोन स्किन व अधिक ब्यूटीफुल बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस स्क्रब को बनाएं। इसके लिए, आप स्ट्रॉबेरी को ब्लेंड करके उसकी प्यूरी बना लें। अब आप इसमें दही, विटामिन ई कैप्सूल व चावल का आटा मिक्स करें। अब अप इसे अपनी स्किन पर लगाएं और हल्के हाथों से स्किन को स्क्रब करें। इसे करीबन 5 मिनट के लिए ऐसे ही छो? दें। अंत में पानी की मदद से स्किन को साफ करें।

हंसना मना है

चीकू: अगर तू किसी जंगल में हो और वहां शेर आ जाए, तो तू क्या करेगा? मीकू: मैं पेड़ पर चढ़ जाऊंगा। चीकू: अगर वह वहां भी पहुंच जाए तो... मीकू: तो मैं पानी में कूद जाऊंगा। चीकू: और अगर वह पानी में भी आ जाए तो...? मीकू: पहले यह बता कि शेर क्या तेरा भांजा है, जो तू कहेगा वही करेगा।

पति: जान, मैंने सोचा तुम मुझे मिस कर रही होंगी, तो कॉल कर लूं... पत्नी: अच्छा! अभी सुबह जो लड़ाई हुई थी, तो वो क्या था? पति एकदम शांत...मन ही मन बोला: अरे यार, यह तो घर पर लग गया।

चीकू ने मीकू से पूछा : क्या तुम चीनी भाषा पढ़ सकते हो? मीकू ने कहा: हां, चीकू: कैसे? मीकू: अगर वो हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तो।

टीचर राजू से: ऑपरेशन से पहले मरीज को बेहोश क्यों किया जाता है? राजू ने ऐसा जवाब दिया कि टीचर ही बेहोश हो गई। राजू: अगर बेहोश नहीं किया और मरीज ऑपरेशन करना सीख गया, तो डॉक्टरों को कौन पूछेगा।

भिखारी: बाबूजी एक रुपया दे दो, भगवान आपका भला करेगा, बाबूजी: एक रुपए से क्या होगा इस महंगाई में? भिखारी: मैं आदमी की हैसियत देखकर ही मांगता हूं...

कहानी | छली प्राय: स्वयं छला जाता है

कुत्ते और मुर्गे में बड़ी दोस्ती थी। एक दिन दोनों घूमते-फिरते जंगल में जा पहुंचे और घंटों गप्पे लगाते रहे। धीरे-धीरे शाम हो गई तथा रात सर पर आ पहुंची। मुर्गे ने घबड़ाकर कहा-अब क्या किया जाए? बातों ही बातों में सूरज डूब गया और यह चाँद दिखने लगा। अब रात में घर पहुंचना तो मुश्किल है। कुत्ता लापरवाही से बोला-घबड़ाने की क्या जरूरत है। फुर्र से उस डाल पर जा बैठो और मजे से रात बिताओ। मैं भी इसी पेड़ के निचे डेरा डालकर खर्राटे मारता हूँ। जब सबेरा होगा तब घूमते-फिरते घर पहुंच जाऊंगा। बस मुर्गा फुर्र से पेड़ की डाल पर बैठा और कुत्ता पेड़ के तने से टिक कर धरती पर लेट गया। सबेरा होते-होते मुर्गा जाग गया और अपनी आदत के अनुसार लगा जोर से बोलने कुकडू-कूं-कुक?-कूं। मुर्गा की यह कुकडू-कूं सारे जंगल में गूंज उठी और एक सियार लप-झप करता हुआ उस पेड़ के पास आ पहुंचा। मुर्गे को देखते ही वह बहुत प्रसन्न हुआ और वह मन में सोचने लगा-कितना अच्छा है सबेरा आज का। जरा-सी हिम्मत लगाई कि मुर्गी कलेट बनकर मेरे मुंह में आया नहीं। मन में वह विचार आते ही सियार ने मुस्कुराकर मुर्गे से कहा-अहा मुर्गे भाई कितना मीठा है तुम्हारा गाना। मुझे भी गाने का कुछ-कुछ शौक है। बस नीचे उत्तर जाओ थोड़ा देर के लिए और मेरे साथ गाओ। क्या तुम मेरी यह छोटी-सी इच्छा पूरी नहीं कर सकते? मुर्गी भी बुद्धू नहीं था। वह सियार के मन की बात ताड़ गया। फिर भी मुस्कुराकर बोला तुम्हारी बात मुझे बहुत पसंद आई। सियार भाई! मैं अभी नीचे आती हूँ और तुम्हारे सुर में सुर मिलाकर गाता हूँ। मेरा एक मित्र उस तरफ पेड़ में सटकर सो रहा है। उसे भी जगा लो न? वह बजा बजायेगा और हम दोनों मिलकर गायेंगे, सच कहता हूँ मजा आ जायेगा। यह सुनते ही सियार मारे खुशी के नाच उठा। वह लपककर पेड़ के उस ओर में जा पहुंचा जिस ओर कुत्ता सो रहा था। कुत्ते पर नजर पड़ते ही उसके प्राण सुख गए। वह तेजी से भागने लगा। मुर्गे की बात सुनकर कुत्ता सावधान हो चुका था। भला यह सियार को कब छोड़ने वाला था। उसने एक सपाटे में उसका गला धर दबाया। यह देखकर मुर्गा हंसा और बोला मूर्ख कहीं का। आया था मेरी बात में इतना भी नहीं जानता था कि जो दूसरों को छलता है वह स्वयं ही छला जाता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रचनात्मक शौक आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। उधार देने में कोताई बरतें। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा।

वृषभ

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपका मन बहुत प्रसन्न रहेगा। हर कोई आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा। कारोबार में बड़ी सफलता मिलेगी। विदेश जाने का अवसर मिलेगा।

मिथुन

आज आपके किसी मित्र से मतभेद बढ़ सकते हैं और आपके कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। पार्टनरशिप के लिए समय अच्छा है नौकरी पेशा लोगों के प्रमोशन होने के योग बन रहे हैं।

कर्क

ऊर्जा के अपने ऊंचे स्तर को आज अच्छे काम में लगाएं। कुछ खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। रिश्तेदारों के यहां जाना उससे काफी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं।

सिंह

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक-ठाक रहेगा, लेकिन रेग्युलर एक्सरसाइज करते रहिए। पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कन्या

आज प्यार के मामले में आप सफल भी साबित हो सकते हैं परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी से मधुर संबंध रहेंगे। आपके रुके हुए सभी काम बहुत जल्द पूर्ण होंगे।

तुला

जब सेहत से जुड़ा मामला हो तो खुद को अनदेखा नहीं करना चाहिए और सावधानी बरतनी चाहिए। खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें।

वृश्चिक

आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से ठीक रहेगी। आज किसी से ऊँची आवाज में बात ना करें, रिश्तों में खटास आ सकती है। आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है।

धनु

आपके दुश्मन आप को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे लेकिन सफल नहीं होंगे। रुके हुए काम काज आपके पूरे होंगे शारीरिक और मानसिक रूप से आजाद ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव कर सकते हैं।

मकर

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा- इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच-समझ कर लगाएं। एक खुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है।

कुम्भ

आज जो लोग कोर्ट कचहरी से जुड़े है उनका दिन अच्छा रहेगा। आपको अपनी वाणी पर काबू रखना होगा, वरना किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। आपके नए काम आपको लाभ देंगे।

मीन

आज आपका रहन-सहन कष्टमय रहेगा। बेहतर होगा कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध की रणनीति बनाकर आगे कदम बढ़ाए। शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन सामान्य बना रहेगा।

टॉलीवुड | मन की बात

एफआईआर दर्ज होने पर भड़कीं उर्फी जावेद

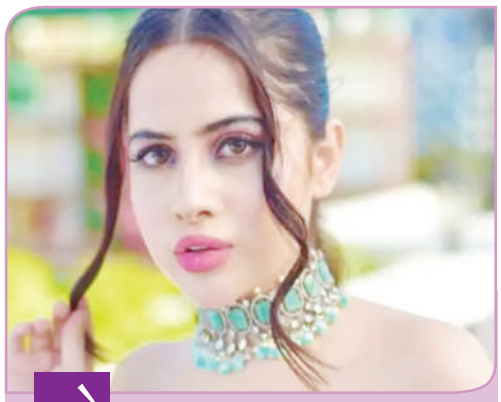

सोशल मीडिया सेंशन उर्फी जावेद अपने अतरंगी फैशन सेंस के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। फिलहाल उर्फी कानूनी मुसीबत में फंस गई हैं मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उर्फी, जावेद के खिलाफ दिल्ली में एक शिकायत दर्ज की गई है। अक्टूबर में उनके म्यूजिक वीडियो 'हाय हाय ये मजबूरी' के रिलीज होने के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इससे पहले, कॉमेडियन सुनील पाल ने भी उर्फी के आउटफिट्स और पब्लिक अपीयरेंस को लेकर फटकार लगाई थी। वहीं अब, उर्फी ने अपने खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर और पाल और ट्रोल करने वाले अन्य लोगों के कमेंट पर चुप्पी तोड़ी है।

इंस्टेंट बॉलीवुड ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उर्फी कहती हैं, यह इतनी अजीब बात है, ये लोग मुझे बोलते हैं कि मुझे पब्लिसिटी चाहिए, और ये वही लोग हैं जो प्रमोशन और ध्यान पाने के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं, उर्फी आगे कहती हैं, किसी रेपिस्ट के ऊपर इतने एफआईआर नहीं हो रहे हैं। अफगानिस्तान या तालिबान नहीं है, क्या आप उस तरह जीना चाहते हैं? क्या आप नियंत्रित करना चाहते हैं कि महिलाओं को क्या पहनना चाहिए? बता दें कि हाल ही में कॉमेडियन सुनील पाल ने उनके कपड़ों को लेकर उन पर निशाना साधा था और उन्हें पागल कहा था। पाल ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, ये उर्फी जावेद पगला गई है क्या मैं उस महिला को धन्यवाद देना चाहता हूं जिसने उर्फी के खिलाफ शिकायत की थी। मुझे लगता है कि उर्फी कुछ ऐसा करना चाहती हैं जिससे वह चर्चा में आ सकें। भले ही वह अवैध हो कम जिस तरह से वह हमारे पवित्र मुस्लिम नाम के साथ खेल रही है, मुझे वह पसंद नहीं है।

एक बार फिर बड़े पर्दे पर अमिताभ संग काम करेंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन की वेब सीरीज ब्रीद: इनटू द शैडोज 2 अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सीरीज में अभिषेक की एक्टिंग की दर्शक तारीफ कर रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अभिषेक बच्चन हिट हो चुके हैं। दर्शकों को अब जल्द ही अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन की जोड़ी एक बार फिर देखने को मिलने वाली है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने इस बात का खुलासा किया है।

जब अभिषेक बच्चन से उनके और अमिताभ के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो अभिषेक बच्चन ने कहा की उनके साथ काम करना पसंद करूंगा। आखिरी बार हमने फिल्म पा में साथ काम किया था। अभिषेक बच्चन ने आगे कहा कि मुझे उनके साथ काम करने में अच्छा लगता है और बहुत सीखने को भी मिलता है। अभिषेक ने बताया कि एक प्रोजेक्ट लंबे समय से पेंडिंग है।

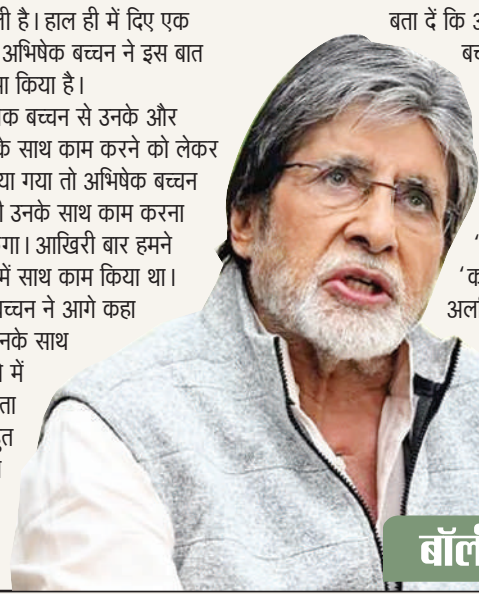

बता दें कि अभिषेक बच्चन और अमिताभ बच्चन की जोड़ी फिल्म 'पा', 'सरकार', 'कभी अलविदा ना कहना' और फिल्म 'बंटी और बबली' में नजर आई थी। फिल्म 'बंटी और बबली' में तो दोनों के साथ ऐश्वर्या राय भी थीं। जिनके साथ अमिताभ और अभिषेक का गाना सुपरहिट रहा था। अभिषेक बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो आने वाले समय में वह आर बाल्की की फिल्म घूमर में सैयामी खेर के साथ नजर आएंगे। वहीं अमिताभ बच्चन इन दिनों कौन बनेगा करोड़पति का 14वां सीजन होस्ट कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन आखिरी बार फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन, शिवा में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ और फिल्म गुडबाय में रश्मिका मंदाना के साथ नजर आए थे।

बॉलीवुड | मसाला

काजोल ने सलाम वेंकी का नया पोस्ट किया शेयर

काजोल एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाल की तैयारी कर रही हैं। पिछली बार एक्ट्रेस फिल्म तान्हाजी में नजर आई थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी अगले प्रोजेक्ट सलाम वेंकी की डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर की थी। अब काजोल ने फिल्म को लेकर नई जानकारी फैंस के साथ साझा की है। काजोल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सलाम वेंकी का नया पोस्टर शेयर किया है. एक्ट्रेस ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बारे में बताते हुए लिखा, एक बड़ी जिंदगी का बड़ा सेलिब्रेशन बस शुरू होने वाला है। सलाम वेंकी का ट्रेलर 14 नवंबर को रिलीज हो रहा है। सलाम वेंकी के पोस्टर की बात करें तो इसमें काजोल के साथ-साथ विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। वह व्हील चेयर पर बैठे हुए हैं और पीछे से काजोल उन्हें सपोर्ट कर रही हैं।

विशाल जेठवा इससे पहले रानी मुखर्जी के साथ फिल्म मर्दानी में नजर आ चुके हैं, जिसमें उन्होंने निगेटिव रोल प्ले किया था। इसके अलावा वह पॉपुलर वेब सीरीज ह्यूमन में भी काम कर चुके हैं। फिल्म की कहानी की बात करें तो सलाम वेंकी एक मां और बेटे की बॉन्डिंग के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है, जो मां के संघर्ष की कहानी को बयां करेंगी। सलाम वेंकी में काजोल विशाल की मां के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के रिलीज की बात करें तो यह 9 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन तमिल की फेमस एक्ट्रेस रेवती कर रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल जल्द ओटीटी पर डेब्यू भी करने वाली हैं। एक्ट्रेस द गुड वाइफ- प्यार, कानून, धोखा के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धूम मचाएंगी।

इस शख्स को तीन बार लटकाया गया फांसी पर, हर बार बच गया जिंदा,

दुनिया में कई ऐसे किस्से सुनने और देखने को मिलते हैं, जिनको सुनकर लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं। ऐसा ही एक किस्सा काफी प्रचलित है। जब किसी अपराधी को सजा ए मौत दी सजा सुनाई जाती है तो उसका मरना निश्चित माना जाता है। फांसी की सजा सुनते ही गुनहगार की सांसे तेजी से चलने लगती है। उसे पता होता है कि उसका बचना अब नामुमकिन है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक शख्स फांसी पर लटकाने के बाद भी नहीं मरा था। खास बात यह है कि उसे एक बार नहीं बल्कि तीन बार फांसी पर लटकाया गया लेकिन वह हर बार बच गया। एस शख्स का नाम जॉ ली था। जॉन ली को हत्या के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई गई थी। दरअसल, जॉन ली एक अमीर महिला के घर में नौकरी करता था। एक दिन महिला के घर में चोरी हो गई थी। इसके बाद महिला ने जॉन ली को चोरी के शक में नौकरी से निकाल दिया। इसके बाद 15 नवंबर 1884 को इंग्लैंड के एक छोटे से गांव में जॉन को एक महिला के कत्ल के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि जॉन ली खुद को बेकसूर बता रहा था और कह रहा था कि कत्ल उसने नहीं किया लेकिन सबूत उसके खिलाफ थे। ऐसे में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि मौका ए वारदात पर जॉन ली के अलावा और कोई नहीं था। साथ ही उसके हाथों पर कट के निशान भी लगे थे, जो इसी ओर इशारा कर रहे थे कि कत्ल जॉन ली ने ही किया है। ऐसे में ब्रिटिश पुलिस ने ज्यादा दिमाग और समय ना लगाते हुए जॉन को ही गुनाहगार समझकर कोर्ट में केस शुरू कर दिया। कोर्ट ने जॉन ली को फांसी की सजा सुनाई। 23 फरवरी 1885 को जॉन ली को फांसी के फंदे तक ले जाया गया। जल्लाद ने उसे फांसी देने के लिए हैण्डल खींचा, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि जॉन के नीचे मौजूद लकड़ी का दरवाजा खुला ही नहीं। जल्लाद ने कई बार हैण्डल खींचा, लेकिन दरवाजा नहीं खुला और जॉन फांसी से बच गया। इसके बाद दूसरे दिन फिर से उसे फांसी देने के लिए लाया गया लेकिन दूसरे दिन भी दरवाजा नहीं खुला। ऐसा तीन बार हुआ। तीन बार जॉन ली को फांसी पर लटकाया गया लेकिन फांसी नहीं लग पाई। जब मामला हाई अथोरिटी के पास पहुंचा तो जांच शुरू हुई। जांच में पता चला कि एक लोहे के टुकड़े की वजह से दरवाजा पूरी तरह से जाम हुआ पड़ा था इसीलिए वो खुल नहीं रहा था। इसके बाद लोगों को यही लगा कि जॉन को भगवान पर भरोसा था और भगवान ने ही उसकी मदद की है। इस घटना के बाद ब्रिटिश सरकार ने जॉन की सजा माफ कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि जॉन ने तीन बार मौत की सजा को महसूस किया है और इतनी सजा उसके लिए काफी है।

अजब-गजब | यहां मिला दुनिया का सबसे पुराना वाक्य

वैज्ञानिकों को यहां मिली 3800 साल पुरानी कंघी

दुनियाभर में आज भी सदियों पुरानी चीजें मिल जाती हैं। जो किसी रहस्य से कम नहीं होतीं। ऐसी ही एक चीज वैज्ञानिकों को फिर से मिली है। जो बालों से जुएं निकालने वाली एक कंघी है। इस कंघी पर कुछ ऐसे शब्द उकेरे गए हैं जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि प्राचीन काल में इंसान पहले बातें करने के लिए या किसी को कोई जानकारी देने के लिए चित्रों का इस्तेमाल करते होंगे। इस कंघी पर उकेरे गए शब्दों को वैज्ञानिक 'दुनिया का सबसे पुराना लिखित वाक्य' मान रहे हैं। जिसके बाद उन्हें इस बारे में पता चल चुका है कि आखिर लिखकर संवाद करने की प्रक्रिया कितनी पुरानी होगी।

द गार्जियन वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल के लैचाइश में वैज्ञानिकों को एक जुएं साफ करने वाली कंघी मिली है, जिसपर दुनिया का सबसे पुराना लिखित वाक्य उकेरा (लिखा) हुआ मिला है। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये कंघी करीब 3800 साल पुरानी है। इस हिसाब से ये कंघी 1700 ईसा पूर्व यानी ईस्वी सन से 1700 साल पहले की है। कंघी पर जो लिपी लिखी है वो कैनानाइट भाषा में है। जिसे प्राचीन काल में बोली जाने वाली एक भाषा माना जाता है। बता दें कि लैचाइश प्राचीन काल में जूडाह के साम्राज्य का दूसरी सबसे प्रमुख शहर था, जिसे अब इजरायल के नाम से जाना जाता है।

बता दें कि जुएं निकालने वाली ये कंघी हाथी के दांत से बनी है जिसपर कैनानाइट भाषा में लिखा है, आशा है कि ये हाथी दांत की कंघी बालों और दाढ़ी में से जुआं निकाल दे। बता दें कि खुदाई में जो कंघी मिली है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी जेरुसलेम जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी में लिखा गया है। बता दें कि इस कंघी की खोज आज से पांच साल पहले यानी साल 2017 में ही हो गई थी, लेकिन इस कंघी पर जो आकृति उकेरी गई थी वो इतनी हल्की थी कि इस साल की शुरुआत में प्रोसेसिंग के बाद ही इसे पढ़ा जा सका और तब जाकर पता चला कि इस कंघी पर क्या लिखा हुआ है।

बता दें कि इस कंघी में जो वाक्य उकेरा यानी लिखा गया है कुल 17 कैनानाइट अक्षर हैं, जो कुल 7 शब्दों के लिए इस्तेमाल किए गए हैं। 3800 साल पुरानी इस कंघी की चौड़ाई में 3.5 सेंटीमीटर है साथ ही इसकी लंबाई 2.5 सेंटीमीटर है। जानकारों के मुताबिक, इस कंघी के मटीरियल को देखकर ऐसा लगता है कि वो पुराने वक्त में काफी महत्वपूर्ण वस्तु रही होगी। माइक्रोस्कोप से जांच में पता चला कि कंघी पर जुओं के कुछ अवशेष मिले हैं जिससे पता चलता है कि उस दौर के उच्च वर्ग की सोसाइटी में भी जुओं की समस्या होती रही होगी। वहीं स्काय न्यूज वेबसाइट के मुताबिक, अभी तक लैचाइश से 10 कैनानाइट में लिखी चीजें मिल चुकी हैं मगर ये पहली बार है जब इस लिपि में कोई पूरा वाक्य लिखा हो।

प्रियंका, बघेल और पायलट ने दी कांग्रेस के चुनाव प्रचार को धार

» राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी किया प्रदेश का दो दिवसीय दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के चुनाव प्रचार को पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने धार दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू, नेता विपक्ष मुकेश अग्निहोत्री और विधायक विक्रमादित्य सिंह ने भी प्रदेश के कई विधानसभा क्षेत्रों में जाकर रैलियां कीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रदेश का दो दिवसीय दौरा किया। पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित राज बब्बर और मोहम्मद अजहरुद्दीन प्रचार के लिए हिमाचल नहीं आए। इन चार नेताओं के नाम कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल थे। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों ने प्रदेश में 100 से अधिक जनसभाएं कीं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शिमला ग्रामीण के बनूटी और नालागढ़ के पंजेहरा में चुनाव प्रचार किया। राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने सोलन, मंडी, नगरोटा बंगवा, ऊना और शिलाई में परिवर्तन प्रतिज्ञा रैली कर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, सह प्रभारी संजय दत्त, गुरकीरत सिंह कोटली, तजेंद्र पाल सिंह बिट्टू ने भी प्रदेश का दौरा किया। इनके अलावा आनंद शर्मा, हरीश रावत, भूपेंद्र हुड्डा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, अलका लांबा ने भी चुनावी जनसभाएं कीं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जेडीयू नेता केसी त्यागी, सुप्रिया श्रीनेत सहित कुछ अन्य नेताओं ने प्रदेश में प्रेस वार्ताएं कर कांग्रेस के पक्ष में वोट अपील की।

हिमाचल नहीं आए भाजपा के कई स्टार प्रचारक

चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के कई स्टार प्रचारक हिमाचल प्रदेश में नहीं आ पाए। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पेट्रोलियम एवं प्राकृतक गैस मंत्री हरदीप पुरी, भूतल परिवहन एवं उच्च मार्ग राज्य मंत्री सेवानिवृत्त जनरल वीके सिंह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आदि कई नेता भी प्रचार में नहीं आ पाए। हालांकि खुद पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा समेत कई नेताओं ने ताबड़तोड़ प्रचार किए। भाजपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी नहीं पहुंच पाए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर हिमाचल के लिए अधिक वक्त नहीं दे पाए। वह भी एक जनसभा में ही आ पाए थे। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार भी हिमाचल प्रदेश में प्रचार के लिए ज्यादा समय नहीं दे पाए। हिमाचल के लिए भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। इस सूची में शीर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम था। मोदी ने हिमाचल प्रदेश में चार जनसभाएं कीं। इसी तरह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने भी यहां पर कई रैलियां कीं।

टैंक की सफाई करने उतरे तीन मजदूरों की मौत

» जहरीली गैस की चपेट में आने से हुआ हादसा

» जाजमऊ स्थित शालीमार टेनरी का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में सेफ्टी टैंक में उतरे तीन मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। घटनास्थल पर मौजूद लोग तीनों को हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मामला जाजमऊ स्थित शालीमार टेनरी का है।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात टेनरी के सेफ्टी टैंक में तीन मजदूर सफाई करने उतरे थे। इस दौरान तीनों जहरीनी गैस की चपेट में आ गए। वहीं, टेनरी से आया युवक हैलट अस्पताल में शवों को छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना से मृतकों के परिजनों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि हाल ही में बिठूर थाना क्षेत्र के चकरतनपुर नई बस्ती में भी निर्माणाधीन मकान में सीवर टैंक की शटरिंग खोलने उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वैसे तो औपचारिक तौर पर प्रतिबंधित होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में सफाईकर्मियों की जान से खिलवाड़ कर सेप्टिक टैंक की सफाई कराई जा रही है।

जनता की शिकायतों पर 24 घंटे में एक्शन लें अफसर : खट्टर

» सोशल मीडिया पर ब्रांडिंग में जुटी खट्टर सरकार कहा, शिकायतों में देरी की तो गिरेगी गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सीएम मनोहर लाल खट्टर की अगुआई वाली सरकार ने इमेज बिल्डिंग शुरू कर दी है। खट्टर सरकार की ब्रांडिंग के लिए अफसरों ने सोशल मीडिया पर फोकस शुरू कर दिया है। खुद सीएम खट्टर भी इसको लेकर एक्शन में आ गए हैं। उन्होंने अफसरों को दो-टूक कह दिया है कि सोशल मीडिया पर जो भी शिकायत मिले, उसका 24 घंटे में निपटारा करें। ऐसा नहीं किया तो अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

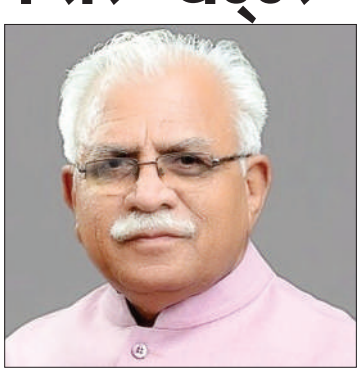

सोशल मीडिया पर सीएम खट्टर और सीएमओ हरियाणा के नाम से अकाउंट चल रहे हैं। लोग इन्हीं पर अपनी शिकायतें भेजते हैं। ष्ट्रह्न हरियाणा ने अब उन्हें मिलने वाली शिकायतों पर ट्विटर यूजर से जानकारी मांगनी शुरू कर दी है। वहीं सीएम मनोहर लाल के ट्विटर अकाउंट पर जो शिकायतें आती हैं, अफसरों को उन्हें देख अपने स्तर पर संपर्क कर कार्रवाई के लिए कहा गया है। सोशल मीडिया के जरिए हरियाणा सरकार सूबे के यूथ को टारगेट कर रही है। यहां सबसे ज्यादा यूथ ही एक्टिव हैं। वह ही शिकायतें करता है। अगर कार्रवाई हुई तो सरकार की तारीफ और सुनवाई न हुई तो फिर वह सोशल मीडिया पर ही सरकार की आलोचना करते हैं।

महाराष्ट्र में राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में दिखेगी विपक्षी एकता, आदित्य ठाकरे होंगे शामिल

» आज शाम हिंगोली जिला में प्रवेश करेगी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे दक्षिण राज्यों से होते हुए महाराष्ट्र पहुंच गई है। सूबे में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज 5वां दिन है और अब इस यात्रा के जरिए विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। आज से शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे इसमें हिस्सा लेंगे। पहले उद्धव ठाकरे के ही नाम की चर्चा थी, लेकिन उनकी बजाय आदित्य शामिल होंगे। चर्चाएं तो यह भी थीं कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार भी यात्रा का हिस्सा होंगे, लेकिन वह तबीयत खराब होने के चलते नहीं आ रहे। यात्रा आज शाम को हिंगोली जिला में प्रवेश करेगी जहां शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे इसमें हिस्सा लेंगे।

कांग्रेस के अनुसार आदित्य ठाकरे राज्य विधानपरिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे और शिवसेना के विधायक सचिन अहिर के साथ शाम करीब चार बजे पदयात्रा में शामिल होंगे। यात्रा सात सितंबर को तमिलनाडु में कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और शुक्रवार को यात्रा का 65वां दिन है। सात नवंबर की रात यात्रा पड़ोसी राज्य तेलंगाना से महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में देगलूर पहुंची और पांच दिनों से जिले में ही है। यात्रा के दौरान नांदेड के अर्धपुर में पिंपलगांव महादेव के विट्ठलराव देशमुख कार्यालय में रात्रि विश्राम हुआ। यात्रा शुक्रवार सुबह अर्धपुर के नांदेड़-हिंगोली रोड स्थित दाभाड़ से फिर शुरू हुई। दिन के दूसरे पहर में यात्रा चोरम्बा फाटा से शुरू होकर रात में हिंगोली पहुंचेगी। सुबह छह बजे यात्रा शुरू होने के बाद गांधी का सड़क पर खड़े लोगों ने अभिवादन किया।

इमरान मसूद का सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला, कहा

आजम खां की बर्बादी में सबसे बड़ा हाथ सपा का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी इमरान मसूद ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सपा-भाजपा की बनाई हुई रणनीति थी कि तुम हम पर हमला करो हम तुम पर हमला करेंगे। भाजपा के खिलाफ सपा बोले उनकी हैसियत नहीं। आजम की बर्बादी में भारतीय जनता पार्टी का हाथ है तो उनकी बर्बादी में सबसे बड़ा हाथ समाजवादी पार्टी का है। अखिलेश यादव को उनके लिए फुर्सत नहीं। उन्होंने कहा तुम अपने लोगों की हिफाजत नहीं कर पाते, तुम पूरी कौम की क्या हिफाजत करोगे।

वह बृहस्पतिवार की रात एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। कहा कि प्रदेश के भीतर ये साबित कर दिया कि चुनाव में लड़ाई सपा और भाजपा की है। लेकिन जब चुनाव का परिणाम आया और उसमें साइकिल का पहिया तार-तार हो गया। तब जनता को समझ में आया कि ये भारतीय जनता पार्टी की रची हुई साजिश थी। उत्तर प्रदेश में भाजपा की दोबारा सरकार बन गई। अखिलेश यादव आपको फर्क नहीं पड़ता कौन जेल जा रहा है, कौन तबाह हो रहा है, कौन बर्बाद हो रहा है। जो आपसे सवाल पूछने का काम करते उन्हें कुचलने का काम कर दिया। इसमें चाहे आजम खां हो या कोई और। उन्होंने कहा आजम की बर्बादी में भाजपा का हाथ है तो उनकी बर्बादी में सबसे बड़ा हाथ समाजवादी पार्टी का भी है। लोगों को समझाना चाहिए, उन्हें समझने की जरूरत है। आजम खान तबाह और बर्बाद हो गए। अखिलेश यादव को उनके लिए फुर्सत नहीं। नाहिद को अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए था, लेकिन उन्हें अस्पताल की जगह जेल में बंद कर दिया गया।

डीएम-एसपी के सामने इंस्पेक्टर को लगाई फटकार, वीडियो वायरल

» किन्नर कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष व दर्जा प्राप्त मंत्री सोनम ने नगर कोतवाल पर लगाये आरोप

» बगैर पैसे काम न करने की बात कही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। किन्नर कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष व दर्जा प्राप्त मंत्री सोनम का एक वीडियो सामने आया है। डीएम-एसपी की मौजूदगी में वे शहर कोतवाल की जमकर क्लास लगा रही हैं। जिसमें वे घर के मामले में ही 'हाय पैसा कहते हुए घूसखोरी का आरोप लगाते हुए कहाकि कुछ काम वैसे ही कर दिया करो'। राज्य मंत्री सोनम ने डीएम एसपी समेत तमाम उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में कोतवाल पर गंभीर आरोप लगाये। जिससे खाकी वर्दी की साख पर बट्टा लगा है।

हालांकि राज्यमंत्री की फटकार पर कोतवाल

मुंह घूमाकर मौके से हट लिए व एसपी ने मौके की नजाकत को भांपते हुए मिठाई का प्लेट खुद-ब-खुद उठाते हुए सोनम का मुंह मिठा कराते हुए मामले को दबाने की भरसक कोशिश की। लेकिन अब एक सप्ताह बाद राज्य मंत्री के फटकार का वीडियो आखिरकार वायरल हो गया। दरअसल राज्यमंत्री कोतवाली में बने ट्रांसजेंडर सेल का लोकार्पण करने एक सप्ताह पूर्व नगर कोतवाली पहुंची थी। जहां डीएम रवीश गुप्ता, एसपी सोमेन वर्मा व सीओ सिटी डॉ. राघवेंद्र चतुर्वेदी पहले से मौजूद थे। राज्यमंत्री कोतवाली के अंदर पहुंची और सामने खड़े नगर कोतवाल राम आशीष उपाध्याय पर नजर पड़ते ही उनका पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। वीडियो में वे एसपी-डीएम के सामने कोतवाल से कह रही हैं कि एक काम आप लोगों से कहा। हमारे आदमी को पीट कर आप लोगों ने उस पर मुकदमा कर दिया। वीडियो कालिंग करके बोला भी था लेकिन हमारा फोन काट दिया। जिस पर एसपी ने फौरन पटाक्षेप किया। उन्होंने कहा सीओ साहब इसको देख लीजिएगा। इसके बाद भी सोनम किन्नर चुप नहीं हुई, कहा 'सिर्फ पैसा-पैसा-पैसा। अरे एक आध काम ऐसे भी कर दिया करो भैया'।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षिका की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी से स्कूल जा रही महिला टीचर को टक्कर मार दिया। हादसे में टीचर की मौके पर ही मौत हो गई। शिक्षिका का नाम नम्रता सिंह (27) था। वह मया बाजार के कम्पोजिट विद्यालय, दामोदरपुर में तैनात थी।

बता दें कि टीचर अयोध्या में किराए का कमरा लेकर रहती थी। स्कूटी से स्कूल आती-जाती थी। हादसा शुक्रवार को सुबह श्रीपति सिंह फिलिंग स्टेशन के पास हुआ। यहां पुल का निर्माण होने से एक लेन से वाहन पास कराए जा रहे थे। उसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टीचर, ट्रक के बाएं चक्के के नीचे आ गई।

नम्रता अंबेडकरनगर की रहने वाली थी। परिजनों ने बताया कि नम्रता की शादी तय हो गई थी। फरवरी में उसकी शादी होनी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक को कब्जे में लेकर मार्ग से जाम हटवाया। चौकी इंचार्ज पूरा बाजार राम अवतार राम ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

डेंगू का दंश : 8 और मरीज मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। यूपी के बांदा जनपद में 8 और नए डेंगू मरीज मिलने से अब मरीजों की संख्या 55 पहुंच गई है। इनमें से 10 जिला अस्पताल और लगभग 12 रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती है।

वही डेंगू प्रभावित इलाकों में मलेरिया विभाग टीम ने किसी भी प्रकार का दवा का छिड़काव नहीं कराया और न ही फागिंग कराई है। डेंगू मच्छर के लारवा मिलने पर 6 गृह स्वामियों को नोटिस दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अधिकारी एके श्रीवास्तव ने जारी रिपोर्ट में बताया कि 22 संदिग्ध मरीजों की एलाइजा जांच कराई गई है इनमें से आठ डेंगू मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है। हाउस इंडेक्स सर्वे के अलावा जलभराव वाले स्थानों पर दवा का छिड़काव किया गया। डेंगू मलेरिया सहित अन्य संचारी रोग के नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग की 12 सदस्यीय टीम ने शहर के बंगालीपुरा, खिन्नी नाका, इंदिरा

नगर, कालू कुआं, डीएम कॉलोनी आदि इलाकों में जांच की। जिला अस्पताल मलेरिया अधिकारी पूजा अहिरवार ने बताया है कि अब तक टीम में 681 घरों में 2841 पात्रों की जांच की। 34 घरों में डेंगू मच्छर के लारवा पाए गए। उन्हें नष्ट किया गया। छह मकान मालिकों को नोटिस दिया गया। 171 मरीजों की स्लाइड बनाई गई। वहीं एक छात्र और एक महिला की डेंगू से मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग इनकी पुष्टि नहीं की है।

सड़कों की गुणवत्ता परखने उतरे पीडब्ल्यूडी के अधिकारी

» शहर में चौड़ीकरण वाली सड़कों के लिए सैंपल, जांच के लिए भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। नगर में चौड़ीकरण के आधे-अधूरे निर्माण कार्यों के मध्य अब पीडब्लूडी के अधिकारी सड़क की गुणवत्ता परखने निकल पड़े हैं। टीम ने कलेक्ट्रेट समेत कई स्थानों से सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा है। हालांकि अधिकारी सैंपल लेकर भले ही कोरम पूरा कर रहे हों लेकिन बस स्टेशन व आसपास की सड़कें बिना जांच के ही भ्रष्टाचार की पोल खोल रही हैं।

करोड़ों रूपए लागत से बनी सड़कें कुछ दिन पूर्व जगह-जगह धंस व टूट गई थी। जिससे लोक निर्माण विभाग में हड़कंप मच गया था। बीते सोमवार से तीन दिवसीय दौरे पर सांसद मेनका गांधी दौरे पर रहीं। जिसको लेकर विभाग हरकत में आया और

अवर अभियंता पीडब्ल्यूडी ने लिया जांच के लिए सैंपल

अब उन्हीं सड़कों की लोक निर्माण विभाग के अधिकारी गुणवत्ता परखने स्वयं उतरे हैं। अवर अभियंता चक्रधर मिश्रा लैब टीम के कर्मचारियों के साथ स्थल पर पहुंचे। सड़क के किनारे से कुछ सैंपल लिया और जांच के लिए भेजा है। वहीं अभी भी कई ऐसे स्थान हैं जहां सड़क आधी अधूरी ही बनी है।

ठेकेदार को सड़क पैचिंग के निर्देश दिए। आनन-फानन में ऊपर से ही डामर चटाकर सड़क दुरुस्त कर दी गई। आधा दर्जन धंसी सड़कों की पैचिंग कराई गई थी।

सोलंकी बंधुओं का है विवादों से पुराना नाता

नीरज तिवारी

कानपुर। करोड़ों के प्लाट के विवाद में आगजनी, बलवा के आरोपों से घिरे सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भू माफिया भाई रिजवान सोलंकी का विवादों से पुराना नाता है। सपा विधायक का भाई रिजवान सोलंकी सीमावर्ती जिला उन्नाव में पंजीकृत भूमाफिया है तो सपा विधायक के दामन पर भी कई दाग हैं। पूर्व में शहर में हुए उपद्रव के मास्टर माइंड हाजी वसी से विधायक इरफान सोलंकी के व्यापारिक रिश्ते भी सामने आ चुके हैं, वहीं डीटू गैंग के गुर्गों के साथ फोटो भी वायरल हो चुकी है। इतना ही नहीं मेडिकल कालेज के जूनियर डॉक्टरों की पिटाई की घटना में भी उनका नाम आया था।

गंगाघाट थाने में दर्ज हुआ था रिजवान पर मुकदमा

ताजा विवाद भी जमीन पर कब्जे को लेकर है। ऐसे में सपा विधायक और उनके परिवार पर आरोप लगना लाजिमी है। विधायक के भाई रिजवान का नाम उन्नाव पुलिस की भूमाफिया सूची में है। वर्ष 2017 में रिजवान के खिलाफ उन्नाव के गंगाघाट थाने में जमीन कब्जाने का मुकदमा भी दर्ज हुआ था। वर्तमान में रिजवान पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ सबसे पहले उन्नाव के अचलगंज में हत्या का प्रयास व बलवा के आरोपों में मुकदमा दर्ज हुआ था, इसके बाद वर्ष 2017 में गंगाघाट थाने में धोखाधड़ी करके सरकारी जमीन कब्जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ। अब तीसरा मुकदमा जाजमऊ में दर्ज हुआ है।

सपा विधायक के दामन पर दाग

मेडिकल कालेज विवाद विधायक से जुड़ा सबसे बड़ा विवाद है। इसमें पेट्रोल भरवाने के दौरान विधायक के ड्राइवर के साथ जूनियर डाक्टरों द्वारा मारपीट की घटना के बाद सपा सरकार के समय मेडिकल कालेज में पुलिस की दबिश डलवाई गई और जूनियर डाक्टरों को जमकर पीटा गया। इस साल की शुरुआत में एक समर्थक के वाहन का चालान कटने पर मौके पर पहुंचे विधायक की पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसमें उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। बीती 3 जून को कानपुर में हुए उपद्रव में टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार बिल्डर हाजी वसी से सपा विधायक इरफान सोलंकी से करीबी रिश्ते सामने आ चुके हैं। पुलिस की जांच में सामने आया था कि हमराज कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पंजीकृत कंपनी में पांच एक्टिव निदेशकों में बिल्डर हाजी वसी के अलावा वसीम राइडर, खदीजतुल कुबरा तथा इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी व चाचा मेराज सोलंकी भी शामिल रहे। यह रिकार्ड मिनिस्ट्री आफ कार्पोरेट अफेयर्स में दर्ज है। रिश्ते सार्वजनिक होने पर विधायक की पत्नी ने कुछ दिनों बाद कंपनी से अपने रिश्ते तोड़ लिए थे। कंपनी का पंजीकरण 25 जून 2013 को कराया गया था, जिसका पता चमनगंज प्रेमनगर दर्ज है। कंपनी के जरिए जमीनों का खूब कारोबार किया गया। सपा विधायक के खिलाफ अपराधियों को पनाह देने के आरोप भी लगे हैं। कुछ आडियो और वीडियो भी सामने आए थे, जिसमें इरफान सोलंकी नई सड़क उपद्रव में आरोपी बनाए गए डी-टू गिरोह के सबलू और अकील खिचड़ी के साथ खड़े दिखाई दिए थे। वहीं दूसरी ओर कुछ अपराधियों को विधानसभा के अंदर ले जाने पर भी सवाल खड़े हुए थे। जिसके बाद विधायक की खासी किरकिरी भी हुई थी।

इरफान सोलंकी पर दर्ज हैं छह मुकदमे

सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ वर्ष 2010 से अब तक छह मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज है। खास बात यह है कि विधायक के खिलाफ इस साल यह तीसरा मुकदमा है। इससे पहले चमनगंज और अनवरगंज में विधायक के खिलाफ मुकदमें दर्ज हो चुके हैं। वर्ष 2017 में कर्नलगंज थाना क्षेत्र में निर्वाचन में असर डालना या प्रतिरुपण, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, निर्वाचन के परिणाम को प्रभावित करने के लिए किसी व्यक्ति के आचरण के संबंध में टिप्पणी करने की धाराओं का मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2020 में चमनगंज में लॉकडाउन या सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, जानबूझकर सार्वजनिक स्थान पर गाड़ी चलाने जिससे किसी का जीवन संकट में पड़े और गंभीर बीमारी फैलाने का मुकदमा दर्ज हुआ था। वहीं अनवरगंज में चालान के विरोध में पुलिस से उलझने का मुकदमा दर्ज है।

आबकारी नीति की जांच की आंच पश्चिम बंगाल और तेलंगाना तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली से शुरू हुई आबकारी नीति की जांच का विस्तार अन्य राज्यों तक भी होने जा रहा है। खबर है कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में भी आबकारी नीतियों की जांच करने वाली है। इसके अलावा एजेंसी फ्रांस के बड़े कारोबारी परनॉड रिकार्ड की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन दोनों राज्यों की आबकारी नीति दिल्ली और पंजाब के ही समान है। वहीं, दिल्ली आबकारी नीति की जांच के दौरान एजेंसी को दिल्ली के अपराधियों और तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तार मिले थे। इसके अलावा सीबीआई थोक विक्रेताओं, बिचौलियों, नेताओं और नौकरशाहों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।

फ्रांस के कारोबारी का क्या है कनेक्शन?

रिपोर्ट में सीबीआई के हवाले से लिखा गया कि आरोपपत्र में दर्ज नाम मनोज राय रिकार्ड के लिए काम करता था। राय ही फ्रेंच कंपनी की ओर से सरकार की बैठकों में शामिल रहा और कंपनी के लिए फायदेमंद नीति तैयार करने में मददगार रहा है। खास बात है कि दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की नई आबकारी नीतियों का रिकार्ड सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है।

अरविंदो कंपनी के मैनेजर को गिरफ्तार कर चुकी है ईडी

सीबीआई जांच के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने कंपनी के दिल्ली क्षेत्र के जनरल मैनेजर विनय बाबू को गिरफ्तार किया है। साथ ही हैदराबाद की अरविंदो फार्मा के डायरेक्टर और प्रमोटर पी सारथ चंद्र रेड्डी को भी गिरफ्तार किया गया था। खबर है कि विनय के पास दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े दस्तावेज मिले थे। ईडी ने रेड्डी पर कंपनियों के जरिए 32 होलसेल जोन पर नियंत्रण हासिल करने के आरोप लगाए थे। अब नीति में कहा गया है कि एक इकाई दो से ज्यादा क्षेत्रों को नियंत्रित नहीं कर सकती।

दिल्ली नगर निगम चुनाव में पहली बार बसपा ने उतारे उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव के साथ-साथ बसपा ने दिल्ली नगर निगम चुनाव में भी ताल ठोंक दी है। पार्टी की प्रदेश यूनिट ने नगर निकाय चुनाव में प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्द ही उम्मीदवारों के घोषणा होगी। ऐसे में बसपा ने एंट्री मारकर नगर निकाय चुनाव को और रोमांचक बना दिया है। बसपा ने दिल्ली नगर निगम के 250 वार्ड में से 31 वार्ड पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। इनमें सदर बाजार वार्ड और करोल बाग वार्ड भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि बीएसपी सिर्फ आप ही नहीं बल्कि भाजपा और कांग्रेस के मतदाताओं में भी सेंधमारी करेगी।

» जनता अब बीजेपी, आप और कांग्रेस से ऊब चुकी है : बसपा

बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर अशोक सिद्धार्थ और दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने कहा कि नगर निकाय चुनाव पार्टी मजबूती से लड़ेगी। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भाजपा से जनता ऊब चुकी है। यह पार्टियां जनसमस्याओं को नजरअंदाज कर रही हैं। वहीं अब जनता बसपा की ओर देख रही है। बसपा नगर निकाय चुनाव में धमाकेदार जीत दर्ज करेगी। इसके लिए पार्टी कैडर वार्डवार मीटिंग कर रहा है। जनता के बीच मुद्दों को रखा जा रहा है। साथ ही पार्टी की नीतियों के बारे में भी अवगत कराया जा रहा है। आज देर शाम तक या शनिवार को प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट भी जारी कर दी जाएगी।

एमसीडी चुनाव का शेड्यूल

दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 7 नवम्बर से शुरू हो गयी है। 14 नवंबर तक नामांकन होंगे। 19 नवंबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं और मतदान चार दिसंबर को होगा। मतगणना सात दिसंबर को होगी। दिल्ली में नगर निगम के नये सिरे से परिसीमन लागू होने के बाद यह पहला निकाय चुनाव है। चुनाव 250 वार्डों के लिए हो रहा है। दिल्ली एमसीडी चुनाव में इस बार 22 वार्ड कम हो गए हैं। पिछली बार दिल्ली नगर निगम चुनाव में 272 वार्ड पर मतदान हुआ था।

यूपी के प्रत्याशियों की लिस्ट जल्द

बसपा यूपी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। इसको लेकर पार्टी कैडर ने वार्डवार बैठकें करना शुरू कर चुकी है। वहीं आरक्षण का रोस्टर लागू होते ही बसपा यूपी के निकाय चुनाव में प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर देगी। इसको लेकर बायोडाटा जमा किए जा रहे हैं।

गोल्डी बराड़ के तीन शूटर दबोचे गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के बरगाड़ी बेअदबी मामले में आरोपी डेरा सच्चा सौदा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने तीन शूटर्स को गिरफ्तार कर लिया है। ये तीनों गैंगेस्टर गोल्डी बराड़ के शूटर हैं और लगातार उसके संपर्क में थे।

पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की कांउटर इंटेलिजेंस यूनिट ने हत्याकांड में शामिल शूटर्स और आरोपियों की पहचान की थी। प्रदीप सिंह की हत्या की वारदात को 6 शूटर्स और उनके सहयोगियों ने अंजाम दिया था। इनमें से 4 शूटर्स हरियाणा और 2 पंजाब के रहने वाले हैं। एक शूटर का नाम जीता बताया जा रहा है। बता दें कि डेरा सच्चा सौदा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्याकांड की जांच कर रही है पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस ने बताया कि ये आरोपी गोल्डी बराड़ के शूटर्स बताए जा रहे हैं। गोल्डी बराड़ अभी कैलिफोर्निया में मौजूद है, जिसने हत्याकांड के तुरंत बाद इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। पकड़े गए तीन आरोपियों में से दो आरोपी नाबालिग हैं। प्रदीप सिंह पर 60 गोलियां चलाई गई थीं।

60

गोलियां मारकर डेरा प्रेमी को कर दिया था छलनी-छलनी

कांग्रेस की जारी दूसरी सूची में चार मुस्लिम उम्मीदवारों के भी नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में दो चरणों में विधानसभा के चुनाव हैं। चुनाव को लेकर सभी प्रमुख पार्टियां अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा शुरू कर दी है। गुजरात में दो दशक से अधिक समय से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर चल रही है। कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में अपने 21 मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारा है। 46 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची में कांग्रेस ने चार मुस्लिम उम्मीदवारों का भी नाम शामिल किया है।

गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों में से 89 सीटों के लिए पहले चरण में एक दिसंबर को मतदान होगा। 4 नवंबर को कांग्रेस ने पहले चरण और दूसरे चरण के मतदान की 43 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम

वाली अपनी पहली सूची की घोषणा की थी। लेकिन दूसरी सूची में सभी 46 उम्मीदवार पहले चरण के लिए हैं। कांग्रेस ने अब तक पहले चरण की 68 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है।

दूसरी लिस्ट में इन मौजूदा विधायकों को मिला टिकट

46 उम्मीदवारों की जारी हुई दूसरी सूची में पार्टी ने 21 मौजूदा विधायकों दोबारा से मैदान में उतारा है। इसमें पूर्व विपक्ष के नेता और अमरेली विधायक परेश धनानी, राज्य के कार्यकारी अध्यक्ष और टंकारा विधायक ललित कागथरा और ऊना सीट से वरिष्ठ विधायक पुंजा वंश शामिल हैं। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। पहला चरण 1 दिसंबर को है। चुनाव का दूसरा चरण 5 दिसंबर को है। वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। गौरतलब है कि पहले चरण की 89 सीटों में से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी अब तक 84 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन 14 दिसंबर है। 2017 के राज्य चुनावों में कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थी, लेकिन कई विधायकों के दलबदल के बाद विधानसभा में उसकी मौजूदा ताकत घटकर 59 रह गई है।

रिहा होंगे राजीव के हत्यारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 31 साल पहले हुई थी हत्या

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी की हत्या के मामले में जेल में बंद सभी 6 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर इन दोषियों पर कोई अन्य मामला नहीं है, तो इन्हें रिहा कर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है कि लंबे समय से राज्यपाल ने इस पर कदम नहीं उठाया तो हम उठा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में दोषी करार दिए गए पेरारिवलन की रिहाई का आदेश बाकी दोषियों पर भी लागू होगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मई में पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था राजीव गांधी हत्याकांड में नलिनी, रविचंद्रन, मुरुगन, संथन, जयकुमार, और रॉबर्ट पॉयस को रिहा करने के आदेश दिया है। पेरारिवलन पहले ही इस मामले में रिहा हो चुके हैं।

गुजरात-हिमाचल चुनाव में काले धन का इस्तेमाल!

» करोड़ों की अवैध रकम जब्त

» चुनाव आयोग ने 'ई विजिल ऐप' के इस्तेमाल की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव पूरा जोर पकड़े हुये है। दोनों राज्यों में करोड़ों की अवैध रकम जब्त की गई है। जिसको लेकर चुनाव आयोग ने सतर्क किया है। चुनावों के दौरान धन के लेन-देन को खत्म करने के लिए **eVigil App** के इस्तेमाल को लेकर भारतीय चुनाव आयोग की ओर से अपील की गई है। भारतीय चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बताया कि गुजरात और हिमाचल प्रदेश में जारी विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया के दौरान रिकार्ड बरामदगी हुई है। गुजरात में 71.88 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश में 50.28 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।